संकेत : रिकॉर्ड 8380 नए केस सामने आए, इसके साथ ही देश में संक्रमित मरीजों की कुल संख्या 182,143 तक पहुंच गई

भारत में आज जर्मनी-फ्रांस से ज्यादा मामले होंगे

आफत

नई दिल्ली | हिन्दुस्तान ब्यूरो

दो महीने से ज्यादा लंबे लॉकडाउन के बाद आज से तमाम तरह की व्यावसायिक गतिविधियां व आवाजाही शुरू हो रही है लेकिन चिंताजनक बात है कि कोरोना संक्रमण का ग्राफ चढ़ता जा रहा है। रविवार को रिकॉर्ड 8380 नए मामले सामने आए, इसके साथ ही देश में संक्रमित मरीजों की कुल संख्या 182,143 तक पहुंच गई। रफ्तार यही रही तो सोमवार को भारत में जर्मनी और फ्रांस से भी ज्यादा मामले हो जाएंगे।

सातवें स्थान पर भारत! : जॉन हॉपकिंस यूनिवर्सिटी के अनुसार, जर्मनी में रविवार दोपहर तक 183,302 जबकि फ्रांस में 188,752 मामले थे। सबसे ज्यादा संक्रमण वाले शीर्ष दस देशों में जर्मनी अभी आठवें जबकि फ्रांस सातवें स्थान पर है जबकि भारत नौवें स्थान मौजूद है।

आंकड़ों के विश्लेषण से पता चला कि जिस तेजी से नए मरीज सामने आ रहे हैं अगर वही रफ्तार रही तो सोमवार को भारत दोनों से आगे निकलते हुए सातवें स्थान पर पहुंच जाएगा। हालांकि, भारत में मृत्युदर दोनों देशों के मुकाबले काफी कम है। जर्मनी में अब तक 8539 लोग जबकि फ्रांस में 28774 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि भारत में सिर्फ 5164 लोगों को जान गंवानी पड़ी है। यहां मृत्युदर सिर्फ 2.8 फीसदी है।

दिल्ली-तमिलनाडु में हालात चिंताजनक : कोरोना संक्रमण अब तक 28 राज्यों और सात केंद्र शासित प्रदेशों तक पहुंच चुका है। महाराष्ट्र-गुजरात के बाद अब तमिलनाडु और दिल्ली भी बुरी तरह संक्रमण की चपेट में हैं।

दिल्ली में बीते दो दिनों से रोजाना 1100 से ज्यादा जबकि तमिलनाडु में 800 से ज्यादा नए लोग संक्रमण के दायरे में आए हैं। जम्मू-कश्मीर, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, हरियाणा, ओडिशा, आंध्र प्रदेश और असम नए हॉट स्पॉट बन रहे हैं। रविवार को पश्चिम बंगाल में 317, बिहार में 260, हरियाणा में 202, जम्मू कश्मीर में 177 और असम में 161 लोग एक दिन में संक्रमित पाए गए। मध्य प्रदेश और राजस्थान में तो मामले ही कम नहीं हो रहे हैं।

पटना में मुंबई से आए प्रवासियों की जांच करती एक चिकित्साकर्मी। प्रेट्र

20 दिनों में ऐसे चढ़ता गया महामारी का ग्राफ

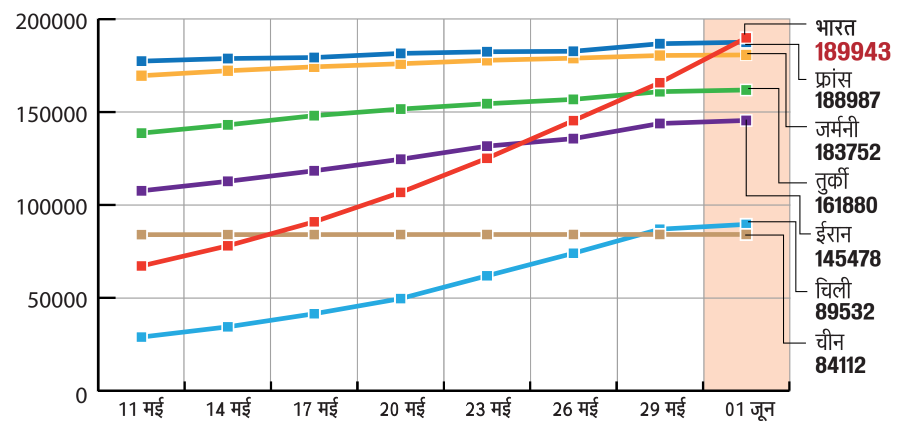

(*एक जून के आंकड़े पांच दिनों के औसत के आधार पर)

स्रोत: ऑवर वर्ल्ड डाटा, वर्ल्डोमीटर, स्वास्थ्य मंत्रालय

अस्पताल में सिर्फ 16 हजार मरीज बढ़े

आंकड़ों के विश्लेषण से पता चला कि बीते एक हफ्ते में संक्रमण के 50 हजार से ज्यादा केस आए, लेकिन अस्पताल में मरीजों की संख्या में करीब 16 हजार ही बढ़ी। क्योंकि इस दौरान 32 हजार 528 मरीज ठीक हो गए और 1317 मरीजों की मौत हो गई। देश में सक्रिय मामलों की संख्या 89995 है जबकि अब तक 86,984 लोग पूरी तरह ठीक होकर अपने घर जा चुके हैं। बीते 24 घंटे में 4,614 लोग स्वस्थ हुए।

50 से 59 साल वालों में सबसे ज्यादा संक्रमण

चिंताजनक

नई दिल्ली | मदन जैड़ा

देश में 63 फीसदी कोरोना मौतें बुजुर्गों की हुई हैं। यूरोप में यह प्रतिशत और भी ज्यादा है। इसलिए सोचा जाने लगा कि यह बीमारी बुजुर्ग लोगों की है। लेकिन आईसीएमआर के ताजा आंकड़े बताते हैं कि देश के युवाओं में यह बीमारी पैठ बना रही है। नौजवानों के इस बीमारी से संक्रमित होने की दर (अटैक रेट) अच्छी-खासी है।

आईसीएमआर ने देशभर में 10 लाख टेस्ट के आधार पर यह नतीजा निकाला है। 22 जनवरी से 30 अप्रैल के बीच कुल 1,02,15,618 टेस्ट किए। इनमें से 33,610 नमूने पॉजिटिव थे। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी, पुणे ने टेस्ट के आधार पर उम्र के हिसाब से संक्रमित होने की दर निकाली है। जो बताती है कि देश में युवा आबादी में भी संक्रमण अच्छा खासा हुआ है। युवाओं और बुजुर्गों में कोरोना संक्रमण की दर में ज्यादा फर्क नहीं है।

रिपोर्ट के अनुसार 20-29 साल की उम्र में प्रति 10 लाख पर कोरोना संक्रमण दर 40.5 दर्ज की गई है। जबकि 30-39 साल के वर्ग में 48.6 तथा 40-49 साल के वर्ग में 50.1 तथा 50-59 में सबसे ज्यादा 64.9 रिकॉर्ड किया गया। 60 साल से अधिक उम्र के लोगों को दुनियाभर में इस बीमारी के लिहाज से सर्वाधिक संवेदनशील माना गया था, लेकिन भारत के आंकड़े कुछ अलग ही संकेत देते हैं। 60-69 की उम्र वर्ग में कोरोना संक्रमण की दर अपेक्षाकृत कम 61.8, 70-79 में 53.2 तथा 80 से अधिक उम्र के वर्ग में 40.9 पाया गया। यदि 20 साल से कम उम्र में कोरोना का अटैक रेट देखें तो 10-19 साल वालों में यह 12.9 तथा 10 साल से कम उम्र के बच्चों में 6.1 पाया गया।

युवाओं में कोरोना होने पर आश्चर्य नहीं

वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के निदेशक डॉ. जुगल किशोर का इस शोध पर कहना है कि युवा आबादी सर्वाधिक सक्रिय है। संक्रमण दर बताती है कि एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में कितना संक्रमण हो रहा है। युवा आबादी में अच्छी-खासी संक्रमण दर होने में कोई आश्चर्य नहीं है। अलबत्ता, मृत्यु का खतरा ज्यादा उम्र के लोगों को ज्यादा होगा।

हैरतअंगेज : कोरोना से मासूम की मौत, शव छोड़कर भागे मां-बाप

रामपुर | वरिष्ठ संवाददाता

कोरोना संक्रमित मासूम की दिल्ली एम्स में मौत हो गई। मासूम की कोरोना पॉजिटिव रिपोर्ट आने की जानकारी होते ही मां-बाप अपने कलेजे के टुकड़े का शव अस्पताल में ही छोड़कर भाग आए।

एम्स प्रशासन ने इस पर रामपुर प्रशासन से संपर्क साधा तब हड़कंप मच गया। प्रशासन ने आनन फानन में मासूम के मां-बाप को क्वारंटाइन करा दिया है और सैंपल जांच के लिए भेजा है। उधर, मां-बाप की सहमति के बाद एम्स प्रबंधन ने मासूम बच्चे का दिल्ली में ही अंतिम संस्कार करा दिया।

प्रकरण मिलक तहसील क्षेत्र के गांव भैंसोड़ी शरीफ से जुड़ा है। गांव निवासी दंपति के करीब नौ माह के बच्चे के सिर में पैदाइशी गांठ थी। इसे डाक्टरों ने ब्रेन ट्यूमर बताया था। नवंबर-दिसंबर से उसका एम्स में उपचार चल रहा था। आपरेशन के लिए 29 मई की तारीख तय थी।

लिहाजा परिजन 26 मई को उसे एम्स ले गए थे। वहां पहुंचने पर नियमानुसार बच्चे का कोरोना टेस्ट कराया गया। बताया जाता है कि इसी बीच बच्चे ने 29 मई को आपरेशन के दौरान दम तोड़ दिया।

मासूम की मौत के उसकी कोरोना जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आयी, लेकिन उस रिपोर्ट और मासूम के शव को लेने वाला वहां कोई नहीं था। मासूम के मां-बाप बच्चे का शव एम्स में ही छोड़कर वहां से भाग आए।

एम्स प्रशासन ने डीएम रामपुर से को सूचना दी गई। एम्स प्रशासन ने जिलाधिकारी को पूरा प्रकरण बताया। डीएम ने सीएमओ डाक्टर सुबोध कुमार शर्मा को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मासूम के माता-पिता को उनके गांव से लाकर क्वारंटाइन करा दिया है।

प्रशासन ने की शव लाने की व्यवस्था, परिजनों ने किया इंकार : जिलाधिकारी आन्जनेय कुमार सिंह ने बताया कि बच्चे के पिता मोटर मैकेनिक हैं। उनकी आर्थिक स्थिति इतनी कमजोर नहीं रही होगी। फिर भी प्रशासन ने अपने स्तर पर शव लाने की व्यवस्था करायी। इसके बावजूद मां-बाप ने शव लेने से इंकार कर दिया।

लवी नर्सिंग होम का पूरा स्टाफ क्वारंटाइन : जांच-पड़ताल में पता चला है कि बच्चे को एम्स में ले जाने से पहले स्थानीय स्तर पर दिखाने के लिए लवी नर्सिंग होम लाया गया था। इस पर लवी नर्सिंग होम के संचालक बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. मुनीश गुप्ता और उनके पूरे स्टाफ को क्वारंटाइन में भेजा गया है।

परिजनों के सहमति पत्र पर एम्स ने कराया अंतिम संस्कार

जिलाधिकारी ने बताया कि एम्स प्रशासन को जब यह बताया गया कि मां-बाप शव लेने के इच्छुक नहीं हैं, तो उन्होंने नियमानुसार सहमति पत्र मांगा। इस पर मृतक मासूम के पिता की ओर से लिखकर सहमति जताई। इसके बाद एम्स में ही बच्चे का अंतिम संस्कार कर दिया गया है।

"एम्स से सूचना थी कि उनके यहां एक बच्चे की उपचार के दौरान मौत हुई है। बच्चे का कोरोना टेस्ट पॉजिटिव पाया गया है। उसके मां-बाप शव छोड़कर चले आए हैं। इस पर बच्चे के मां-बाप को तलाश कर क्वारंटाइन कराया गया है। लवी नर्सिंग होम के डॉक्टर-स्टाफ को भी होम क्वारंटाइन करा दिया है।

– आन्जनेय कुमार सिंह, डीएम, रामपुर

ट्रेन में सह-यात्रियों ने आठ घंटे तक शव के साथ यात्रा की

मजबूरी

मालदा | एजेंसी

राजस्थान से पश्चिम बंगाल जा रही एक श्रमिक विशेष ट्रेन में सवार 50 वर्षीय एक प्रवासी कामगार की बीच रास्ते में ही मौत हो गई। सह-यात्रियों ने शव के साथ आठ घंटे से अधिक समय तक यात्रा की। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में हरिश्चंद्रपुर निवासी बुद्ध परिहार और उसका रिश्तेदार सरजू दास राजस्थान के बीकानेर में एक होटल में काम करते थे। पुलिस ने बताया कि लॉकडाउन के दौरान परिहार और दास की नौकरी चली गई। दोनों ने कई बार मालदा लौटने की कोशिश की, लेकिन नाकाम रहे। आखिरकार दोनों शुक्रवार सुबह 11 बजे एक ट्रेन में सवार हुए। परिहार की शनिवार रात 10 बजे के करीब उत्तर प्रदेश में पं. दीनदयाल उपाध्याय नगर के पास मौत हो गई।

परिहार की मौत के बाद सह-यात्रियों में दहशत फैल गई। लोगों को आशंका थी कि उसकी मौत कोविड-19 के चलते हुई है। ट्रेन रविवार सुबह करीब 6:40 मिनट पर मालदा टाउन स्टेशन पहुंची, तब शव को रेलवे पुलिस को सौंप दिया गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए मालदा मेडिकल कॉलेज भेजा गया है।

घटिया खाने को लेकर श्रमिकों का हंगामा : प्रयागराज। चैंगलपट्टू से मुजफ्फरपुर जा रही श्रमिक स्पेशल ट्रेन के यात्रियों ने रविवार को घटिया खाने का आरोप लगाते हुए प्रयागराज जंक्शन पर हंगामा किया। श्रमिकों ने खाने को बासी बताकर फेंक दिया और नारेबाजी की। बाद में जीआरपी पहुंची तो मामला शांत हुआ। रविवार सुबह सवा आठ बजे ट्रेन प्रयागराज जंक्शन के प्लेटफॉर्म नंबर सात पर पहुंची। 1600 यात्रियों से भरी ट्रेन में आईआरसीटीसी की ओर से भोजन वितरण किया। इस खाने में पूड़ी और अचार था। श्रमिकों का आरोप था कि खाना बासी है और पूड़ी से बदबू आने की शिकायत की।

सीमा पर जन्म, नाम रखा बॉर्डर

बहराइच। जिले के एक श्रमिक दम्पति नेपाल के नवल परासी जिले के ईंट भट्ठे पर मजदूरी करते थे। रविवार को सुबह चार बजे महिला श्रमिक ने एक बच्चे को जन्म दिया। इस बच्चे का नाम बॉर्डर रखा गया। इस पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ट्वीट किया। इस पर सपा एमएलसी राजपाल कश्यप ने पचास हजार रुपये की धनराशि नवजात शिशु के माता पिता को दी है।

आशंका : प्रवासियों से एल स्ट्रेन वायरस की दस्तक!

कानपुर | प्रमुख संवाददाता

श्रमिकों से अब एल स्ट्रेन वायरस के आने की आशंका है। कानपुर में अब तक 6 मजदूरों की मौत हो चुकी है जिनमें पांच गुजरात से आए थे।

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों का मानना है कि गुजरात में संक्रमण से जल्द मौतों के पीछे एल स्ट्रेन टाइप वायरस को माना जा रहा है। चार मजदूरों की मौतें हैलट के न्यूरो हॉस्पिटल में हुई हैं। सभी का बेहतर इलाज भी किया गया पर इन्हें बचाया नहीं जा सका। जबकि एसिम्टोमेटिक सौ से ज्यादा कोरोना मरीज ठीक हो घर गए। इन सभी में एस स्ट्रेन टाइप वायरस के संक्रमण की संभावना थी। मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों ने मृत मजदूरों के साथ शहर में गुजरात, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र से आए कोरोना पॉजिटिव श्रमिकों का डाटा बैंक बनाना शुरू कर दिया है ताकि इन पर शोध हो सके।

क्वारंटाइन सेंटर में एक की मौत

पहाड़पुर(पू.चं)। प्रखंड के सिसवा मलदहिया क्वारंटाइन सेंटर में एक प्रवासी मजदूर की मौत इलाज के लिए मुजफ्फरपुर ले जाने के क्रम में रविवार को हो गयी। मृतक उसी गांव का विजय भगत था। मृतक के भाई मंजय कुमार ने बताया कि सूरत से आया विजय विगत 28 मई से सिसवा मलदहिया क्वारंटाइन सेंटर पर था। उसकी तबियत रात में अचानक ख़राब हुई। रविवार सुबह भाई ने जब विजय ने दूसरे अस्पताल में ले जाने की मांग की। लेकिन रास्ते में उसकी मौत हो गई।

बोर्ड परीक्षा केंद्र बदलने को सीआईएससीई की मंजूरी

नई दिल्ली | एजेंसी

सीआईएससीई ने छात्रों को उसी शहर से बोर्ड की लंबित परीक्षा देने की अनुमति दे दी है, जहां वे वर्तमान में हैं।

अधिकारियों ने बताया कि परिषद ने परीक्षार्थियों को बाद में कंपार्टमेंटल परीक्षा के समय परीक्षा में उपस्थित होने का विकल्प भी दिया है। लॉकडाउन के कारण स्थगित की गई परीक्षाएं एक से 14 जुलाई तक आयोजित होंगी। लॉकडाउन के बाद बहुत से छात्र अलग-अलग स्थानों पर चले गए थे। सीआईएससीई के मुख्य कार्यकारी और सचिव गेरी अराथून ने कहा कि स्कूलों व छात्रों के अभिभावकों ने परीक्षार्थियों के परीक्षा केंद्र बदलने का अनुरोध किया है। यदि छात्र इस समय उस जिले में नहीं हैं जहां उनका स्कूल है तो बाकी की परीक्षा वे उस शहर के सीआईएससीई द्वारा मान्यता प्राप्त स्कूल से दे सकते हैं, जहां वे अभी हैं।

पीएम केयर्स से श्रमिकों को कितना पैसा दिया

नई दिल्ली। कांग्रेस ने एक बार फिर प्रधानमंत्री केयर्स फंड को लेकर सरकार पर निशाना साधा है। पार्टी ने सवाल किया है कि पीएम केयर्स फंड से प्रवासी मजदूरों को कितना पैसा दिया गया है।

कोरोना का जिक्र करते हुए कहा कि इसने सरकार की लाचारी दिखा दी है। सरकार के पास मजदूरों का आंकड़ा नहीं है। पार्टी के वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए मीडिया से बात करते हुए कहा कि चार घंटे में लॉकडाउन लागू करने वाली सरकार को अब मालूम नहीं किस रास्ते जाना है। तभी एक एडवाइजरी आती है, फिर दूसरी एडवाइजरी जारी की जाती है। सरकार के पास कोई रणनीति नहीं है। कपिल सिब्बल ने कहा कि सरकार 24 मार्च से पहले और उसके बाद जो काम कर रही हैं उसमें बहुत फर्क है। **(वि.सं.)**

यूपी में कोविड के 257 नए मामले सामने आए

लखनऊ | प्रमुख संवाददाता

प्रदेश में रविवार को 257 और मरीज कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। अब तक 7823 मरीज कोरोना पॉजिटिव पाए जा चुके हैं। 4709 मरीज ठीक होकर घर वापस जा चुके हैं। इस तरह अब 2901 एक्टिव केस हैं। इसके अलावा अब तक 1027 श्रमिकों में कोरोना वायरस के लक्षण पाए गए हैं। यह जानकारी चिकित्सा व स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव अमित मोहन प्रसाद ने रविवार को अपर मुख्य सचिव गृह व सूचना अवनीश अवस्थी के साथ एक संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में दी।

कोविड अस्पतालों में एक लाख बेड : मुख्यमंत्री के निर्देश पर स्वास्थ्य व चिकित्सा विभाग ने मिलकर प्रदेश में कोविड अस्पताल की एल-1, एल-2 और एल-3 त्रिस्तरीय व्यवस्था के तहत बेडों की संख्या बढ़ाकर एक लाख एक हजार 236 बेड तक कर ली है।

संकट

- कोविड अस्पतालों में बन गए एक लाख से अधिक बेड
- 1027 प्रवासी श्रमिकों में कोरोना के लक्षण मिले

उत्तराखंड में महिला डॉक्टर समेत 158 मरीज मिले : उत्तराखंड में रविवार को कोरोना के 158 नए मरीज मिले। सबसे अधिक 49 मरीज देहरादून जिले के हैं। जबकि नैनीताल में 31 मरीज मिले हैं। राज्य में कुल मरीजों की संख्या अब 907 पहुंच गई है। पॉजिटिव पाए गए मरीजों में दून अस्पताल की महिला डॉक्टर भी शामिल है। रविवार को 1221 सैंपल की रिपोर्ट आई जिसमें से 158 की रिपोर्ट पॉजिटिव पाई गई।

बिहार में 127 पॉजिटिव मिले, एक की मौत

पटना। बिहार में 127 नए कोरोना संक्रमितों की पहचान रविवार को हुई। इसमें 18 जिलों में 111 संक्रमितों की सूचना स्वास्थ्य विभाग के द्वारा दी गई। वहीं, राज्य में एक कोरोना संक्रमित की मौत भी हो गयी। मृतक बेगूसराय का निवासी था। विभाग द्वारा जारी सूचना के अनुसार बिहार में अबतक 3692 कोरोना संक्रमितों की पहचान की गई है। जबकि कोरोना से मारने वालों की संख्या बढ़कर 23 हो गई।

झारखंड के चार जिलों में मिले 16 मरीज : राज्य में रविवार को कोरोना के 16 नए मरीज मिले हैं। नए मरीजों के साथ ही राज्य में अब तक मिले पॉजिटिव मरीजों की संख्या 610 हो गई है। रविवार को मिले नए मरीजों में सर्वाधिक 10 मरीज पूर्वी सिंहभूम के, 3 हजारीबाग के और रामगढ़, लोहरदगा और रांची के 1-1 मरीज हैं।

नगालैंड सरकार ने मामले को गंभीर मानते हुए न्यायिक जांच के लिए समिति गठित की

सख्ती: संक्रमित की छुट्टी पर स्वास्थ्य सचिव नपे

कोहिमा | एजेंसी

नगालैंड सरकार ने क्वारंटाइन केंद्र से बाहर भेजे गए एक व्यक्ति के कोरोना संक्रमित पाए जाने पर राज्य के प्रमुख स्वास्थ्य सचिव हो हटा दिया है। रविवार को अधिकारियों ने बताया कि चेन्नई से लौटे व्यक्ति को दूसरी रिपोर्ट आने से पहले ही छुट्टी दे दी गई थी।

प्रमुख सचिव मेनुखोल जॉन को स्वास्थ्य विभाग और आयुक्त की अतिरिक्त जिम्मेदारी ले ली गई है। अब कला एव संस्कृति सचिव अहोला थोसे को स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। कोहिमा के क्वारंटाइन केंद्र में रखे गए इस युवक को 25 मई को छुट्टी दी गई जबकि उसकी दूसरी रिपोर्ट अगले दिन आई। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए राज्य सरकार ने न्यायिक जांच करने के आदेश दिए हैं। राज्य सरकार ने सेवानिवृत्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश एलएल सेमा की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय जांच टीम का गठन किया है जो मामले की जांच करेगी।

चेन्नई से लौटे सात और संक्रमित मिले: चेन्नई से नगालैंड लौटे सात लोगों में रविवार को कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई जिससे राज्य में संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 43 हो गई है। सात में से चार मामले कोहिमा के और तीन दीमापुर के हैं। बाहर से लौटे शख्स के कारण ही नगालैंड में 25 मई को संक्रमण का पहला मामला मिला।

ओडिशा-आंध्र प्रदेश में कोरोना संक्रमण ने रिकॉर्ड तोड़ा : ओडिशा और आंध्र प्रदेश में रविवार को कोरोना संक्रमण के एक दिन में सर्वाधिक मामले दर्ज किए गए। आंध्र प्रदेश में 110 नए मामले सामने आए तो, ओडिशा में 129 संक्रमित मिले। कुल संक्रमितों की संख्या आंध्र प्रदेश में 3,571 और ओडिशा में 1,948 हो गई है। आंध्र में दो और मौतों के बाद कोरोना से मरने वालों की संख्या 62 हो गई है।

राजस्थान में 76 नए केस आए

राजस्थान में रविवार को कोरोना वायरस संक्रमण से एक और मौत हो गई जिससे राज्य में मरने वालों की संख्या 194 हो गई है। वहीं 76 नए मामले सामने आने के बाद इस घातक वायरस से संक्रमित होने वालों की कुल संख्या 8,693 हो गई है। राज्य में मृतकों की कुल संख्या 194 हो गई है। केवल जयपुर में ही कोरोना वायरस संक्रमण से मरने वालों का आंकड़ा 91 हो गया है।

पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड

PETRONET LNG LIMITED

पंजीकृत कार्यालय: वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, बाबर रोड, बाराखम्बा लेन, नई दिल्ली-110001
फोन: 011-23411411, **फैक्स:** 011-23472550
सीआईएन: L74899DL1998PLC093073
ई-मेल: investors@petronetlng.com, **कम्पनी की वेबसाइट:** www.petronetlng.com

शेयरधारकों के लिए सूचना

बेदावेदार लाभाशों से संबंधित कम्पनी के इक्विटी शेयरों का निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधि में अनिवार्य हस्तांतरण

यह सूचना कम्पनी अधिनियम, 2013 साथ में पठित कार्पोरेट कार्य मंत्रालय द्वारा अधिसूचित निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधि प्राधिकरण (लेखांकन, लेखा परीक्षा, हस्तांतरण और रिफंड) नियमों, 2016 (''आईईपीएफ नियमों 2016'') तथा उसके संशोधनों के प्रावधानों के अनुसरण में प्रकाशित की जा रही है।

यह कम्पनी के शेयरधारकों को अपने बेदावेदार/अदेय लाभांशों का दावा करने हेतु उन्हें याद दिलाने के लिए है। कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 124(5) और धारा 124(6) और साथ में पठित आईईपीएफ नियमों, 2016 के अनुसार, कम्पनी को केंद्र सरकार द्वारा स्थापित 'निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधि' (आई.ई.पी.एफ.) में हस्तांतरित करना होगा (i) अदेय लाभांश खाता में हस्तांतरित करने की तिथि से सात वर्षों की अवधि के दौरान अदेय या बेदावेदार पड़े शेष सभी लाभांशों और (ii) ऐसे इक्विटी शेयरों जिसके संबंध में लाभांश को सात अनवरत वर्षों या अधिक के दौरान भुगतान या दावा नहीं किया गया है।

वर्तमान कोविड-19 स्थिति के तहत, संबंधित शेयरधारकों को, जिनके ई-मेल पते पंजीकृत नहीं हैं, यह अपेक्षित सूचना, डाक सेवाएं शुरू होने पर जल्द से जल्द भेजी जाएगी। ऐसे शेयरधारकों को सूचना उनके संबंधित ई-मेल पर भेजी जा रही है, जिनके ई-मेल पते पंजीकृत हैं।

यदि संबंधित शेयरधारकों द्वारा लाभांशों पर दावा 31 अगस्त 2020 तक नहीं किया जाता है, तो संबंधित शेयरधारक (कों) द्वारा धारित शेयरों साथ में ऐसे शेयरों पर बेदावेदार लाभांश को कम्पनी द्वारा बगैर कोई अन्य सूचना दिए, निम्नांकितानुसार, आई.ई.पी.एफ. को हस्तांतरित करने के जरूरी चरण शुरू कर दिए जाएंगे।

यदि शेयर निम्न रूप में धारित हों:-

- भौतिक रूप में - आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने पर, आई.ई.पी.एफ. के पक्ष में नए शेयर प्रमाणपत्र जारी और हस्तांतरित किए जाएंगे। इसलिए, शेयरधारकों के नाम में पंजीकृत मूल शेयर प्रमाणपत्र(ओं) को रद्द और गैर-परक्राम्य माना जाएगा।
- डिमैट रूप में - कम्पनी डिपॉजिटरीज के जरिए कॉरपोरेट कार्यवाही के माध्यम से शेयरो को आई.ई.पी.एफ. प्राधिकरण को हस्तांतरित करेगी।

शेयरधारक ध्यान दें कि कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 124(6) और आई.ई.पी.एफ. नियमों 2016 के नियम 7 के संदर्भ में, आई.ई.पी.एफ. को शेयरधारकों द्वारा धारित शेयरों और बेदावेदार लाभांश को हस्तांतरण करने की स्थिति में, शेयरधारक वेबसाइट www.iepf.gov.in पर उपलब्ध निर्धारित प्रपत्र आईईपीएफ-5 पर ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करके आई.ई.पी.एफ. से उसका दावा करने के हकदार है तथा दावे के सत्यापन हेतु कम्पनी को उनके पंजीकृत कार्यालय में अपेक्षित दस्तावेजों के साथ उसे विधिवत हस्ताक्षित भेजें।

शेयरधारक इसके अलावा कृपया ध्यान दें कि संबंधित शेयरधारकों के बेदावेदार लाभांश और शेयरों के विवरण कम्पनी द्वारा इसकी वेबसाइट www.petronetlng.com पर अपलोड कर दिया गया है जिसे आईईपीएफ नियमों 2016 के अनुसार आईईपीएफ को शेयरों के हस्तांतरण के उद्देश्य हेतु कम्पनी द्वारा नए शेयर प्रमाणपत्र(त्रों) के निर्गमन के मामले में पर्याप्त सूचना के रूप में माना जाएगा।

कृपया ध्यान दें कि आईईपीएफ को हस्तांतरित किए गए बेदावेदार लाभांश और शेयरों के मामले में कम्पनी के समक्ष कोई भी दावा लम्बित नहीं है और भविष्य के सभी लाभों जो इसके तहत प्राप्त किए जाएंगे साथ में आगामी लाभांश को आईपीएफ में जमा करा दिया जाएगा।

आपके तत्काल संदर्भ के लिए, आईईपीएफ. प्राधिकरण (लेखांकन, लेखा परीक्षा, हस्तांतरण तथा रिफंड) नियमों, 2016 तथा उसके संशोधनों के प्रावधानों को, कम्पनी की वेबसाइट www.petronetlng.com के इनवेस्टर सेक्शन के अधीन उपलब्ध करवाया गया है।

अगर शेयरधारकों को कोई भी पूछताछ करनी है तो वे कृपया कम्पनी के रजिस्ट्रार एवं ट्रांसफर एजेंट, श्री एस. वी. राजू, डीजीएम, केफिन टैक्नोलॉजीज प्राईवेट लिमिटेड, सेलेनियम बिल्डिंग, टावर-बी, प्लॉट सं. 31 एवं 32, फाईनेंशियल डिस्ट्रिक्ट, नानाक्रमगुडा, सेरिलिंगमपल्ली, हैदराबाद, रंगारेड्डी, तेलंगाना - 500032, ईमेल आईडी: **raju.sv@kfintech.com, टेली.: 040-67162222/1800-345-4001** से सम्पर्क कर सकते हैं।

कृते **पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड**
हस्ताक्षर/-
(राजन कपूर)
सीजीएम एवं वीपी - कम्पनी सचिव

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 31 मई, 2020

सदस्यगण ध्यान दें		सदस्यों से अपील
(1) 1 अप्रैल, 2019 से भौतिक रूप में शेयरों के हस्तांतरण के लिए आग्रह की अस्वीकृति बीएसई द्वारा परिपत्र सं. एलआईएसटी/सीओएमपी/31/2018-19 दिनांक 03 दिसम्बर, 2018 तथा एनएसई परिपत्र सं. एनएसई/सीएमएल/2018/38 दिनांक 03 दिसम्बर, 2018 के अनुसरण में, रजिस्ट्रार और शेयर ट्रांसफर एजेंट (आरटीए) और कंपनी 01 अप्रैल, 2019 से भौतिक रूप में शेयरों के हस्तांतरण हेतु कोई भी आग्रह स्वीकार नहीं करेगी। यह प्रतिबंध भौतिक शेयरों के प्रचारण या व्युत्क्रमण के लिए प्राप्त आग्रह हेतु लागू नहीं होगा।	**(2) आपके शेयरधारण के समक्ष पैन और बैंक विवरण का अनिवार्य अद्यतनीकरण** सेबी परिपत्र दिनांक 20 अप्रैल 2018 के अनुसरण में, ऐसे शेयरधारक जिनके खाते/बही में पैन और बैंक विवरण पंजीकृत नहीं हैं या अपूर्ण हैं, उनसे आग्रह किया जाता है कि वे अपने खाते/बही में पंजीकरण हेतु कम्पनी को **investors@petronetlng.com** या आरटीए को उपरोक्त पते या ई-मेल **einward.ris@kfintech.com** पर, अपने विवरण अनिवार्य रूप से दे दें ताकि धारित निवेश उचित केवाईसी स्वीकृति के साथ पूर्णतः सुरक्षित हो जाएं। कृपया ध्यान दें कि शेयरधारकों के खातों के तहत पंजीकृत सम्पूर्ण बैंक विवरण नहीं होने पर कोई भी भुगतान नहीं किया जाएगा।	**कारपोरेट शासन में हरित पहल** हम पर्यावरण हेतु, हमारे हिस्से का योगदान के लिए, हमारे प्रयास के समर्थन और आपके अमूल्य सहयोग की सराहना करते हैं और कोविड-19 महामारी को ध्यान में रखते हुए कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय (एमसीए) ने अपने परिपत्र दिनांक 5 मई, 2020 साथ में पठित परिपत्र दिनांक 8 अप्रैल, 2020 और 13 अप्रैल, 2020 (समग्र रूप से 'एमसीए परिपत्र' के रूप में पढ़ा जाए) के माध्यम से किसी सामूहिक स्थान पर सदस्यों की भौतिक उपस्थिति के बिना वीसी या ओवीएएम के माध्यम से वार्षिक आम बैठक (एजीएम) संचालित करने की अनुमति प्रदान की है। इसके अलावा सेबी ने अपने परिपत्र दिनांक 12 मई, 2020 के माध्यम से वार्षिक रिपोर्ट की कागजी प्रति भेजने की जरूरत को समाप्त कर दिया है। उपरोक्त वर्णित परिपत्रों के पालन अनुसार कम्पनी के सदस्यों की एजीएम वीसी/ओवीएएम के माध्यम से संचालित की जाएगी और वार्षिक रिपोर्ट सदस्यों के पंजीकृत ईमेल आईडी पर भेज दी जाएगी, लिहाजा जिन सदस्यों ने अपना ईमेल आईडी अभी तक पंजीकृत/अद्यतन नहीं करवाया है, उनसे आग्रह किया जाता है कि वे इसे **investors@petronetlng.com** में कंपनी या कम्पनी के रजिस्ट्रार और शेयर ट्रांसफर एजेंट को **einward.ris@kfintech.com** में या संबंधित डिपॉजिटरी को अधिसूचित कर दें।